July 18, 2024
Thursday.

पाठ ⇒

कविता के बहाने
बात सीधी थी पर

कुँवर नारायण

जीवन परिचय ⇒

कुँवर नारायण आधुनिक हिंदी कविता के सशक्त हस्ताक्षर हैं। इनका जन्म 19 सितंबर सन् 1927 को जिला फैजाबाद उत्तर प्रदेश में हुआ था। इनकी प्रारंभिक शिक्षा घर पर ही हुई। 1950 के आसपास इन्होंने काव्य लेखन की शुरुआत की। इन्हें अनेक पुरस्कारों से नवाजा गया जैसे – कबीर सम्मान, व्यास सम्मान, लोहिया सम्मान साहित्य अकादमी पुरस्कार, ज्ञानपीठ पुरस्कार तथा केरल का कुमारन आशान पुरस्कार।

प्रमुख रचनाएँ ⇒

कुँवर नारायण ने कविता, चिंतन परख लेख, कहानियाँ तथा अन्य कलाओं पर समीक्षा भी लिखीं। इसलिए वे विविध मुख साहित्यकार माने जाते हैं।

काव्य संग्रह – चक्रव्यूह (1956), परिवेश: हम तुम, अपने सामने, कोई दूसरा नहीं, इन दिनों
प्रबंध काव्य – आत्मजयी
समीक्षा – मेरे साक्षात्कार, आज और आज से पहले
कहानी संग्रह – आकारों के आस-पास

काव्य शैली ⇒

कुँवर नारायण की हिंदी भाषासेसमाज में पर्याप्त सम्मान मिला वे नयी कविता और समकालीन कविता के प्रसिद्ध कवि थे।

भाषा शैली ⇒

कुँवर नारायण की कविताओं की भाषाओं में परंपरागत छंदों का निर्वाह नहीं किया गया है। उनमें एक आंतरिक लय और गीत है। भाषा का प्रयोग वे अत्यंत स्वभाविक एवं सरल अंदाज से करते हैं।

साहित्य में स्थान ⇒

आधुनिक काल के द्वितीय तारसप्तक के कवि के रूप में आपका नाम सदैव स्मरणीय रहेगा।

प्रश्नः 1 इस कविता के बहाने बताएँ कि 'सब घर एक कर देने के माने' क्या है?

कविता के बहाने कविता में 'सब घर एक कर देने के मायने' का अर्थ है। सीमा का बंधन समाप्त हो जाना। जिस प्रकार बच्चे किसी भेद भाव को नहीं जानते हैं उनके लिए सबकुछ समान है उनके लिए न ही भाषा की सीमा होती है और न ही घर की सीमा।

theboardstudy.com

प्रश्न: 2 'उड़ने' और 'खिलने' का कविता से क्या संबंध बनता है ?

उत्तर: 2 कवि कविता की रचना करते समय कल्पना का सहारा लेता है। उसका मन प्रकृति की प्रत्येक वस्तु तक पहुँचने का प्रयत्न करता है। इस प्रकार वह कल्पना की उड़ान भरता है।

इसी प्रकार कवि के खिलने से अर्थ कविता की रचना के समय उसका प्रसंमन-चित रहना आवश्यक है वह खिलकर अर्थात् प्रसन्नचित रहकर ही अपनी कविता के माध्यम से विचारों को अभिव्यक्ति ठीक प्रकार से कर सकता है।

प्रश्न: 3 कविता और बच्चे को समानांतर रखने के क्या कारण हो सकते हैं ?

उत्तर: 3 कवि ने बच्चे और कविता को सामांतर रखा है बच्चों में रचनात्मक ऊर्जा होती है। उनके खेलने की कोई निश्चित सीमा नहीं होती उनके सपने असीम होते हैं। इसी तरह कविता भी रचनात्मक तत्वों से मुक्त होती है। इसका क्षेत्र भी विस्तृत होता है। उनकी कल्पना शक्ति अद्भुत होती है।

प्रश्न: 4 कविता के संदर्भ में "बिना मुरझाए महकने के मानें" क्या होते हैं ?

उत्तर: 4 कवि का मानना है, कि कविता कभी मुरझाती नहीं है, यह अमर होती है तथा युग युगांतर तक मानव समाज को प्रभावित करती रहती है। अपनी जीवितता की वजह से इसकी महक बरकरार रहती है। कविता के माध्यम से जीवन मूल्य पीढ़ी - दर - पीढ़ी चलते रहते हैं।

प्रश्न: 5 "भाषा को सहूलियत" से बरतने से क्या अभिप्राय है?

उत्तर: 5 कवि कहता है, कि मानव मन में भावों का उदय होता है। यदि वह भाषा के चक्कर में उलझ जाता है, तो वह अपने भावों को सही ढंग से प्रस्तुत नहीं कर पाता वह कतभी उन्हें प्रकट कर सकता है। जब भाषा को वह साधन बनाए, साध्य नहीं। साधन बनाने पर भाषा सहजता से इस्तेमाल हो सकती है। वह लोगों तक अपनी बात कह सकता है।

प्रश्न: 6 बात और भाषा परस्पर जुड़े होते हैं, किंतु कभी - कभी भाषा के चक्कर में "सीधी बात भी टेढ़ी हो जाती है" कैसे?

उत्तर: 6 बात और भाषा परस्पर जुड़े होते हैं, परंतु कभी - कभी भाषा के चक्कर में सीधी बात भी टेड़ी हो जाती है। इसका कारण यह

उपर्युक्त शब्दों का प्रयोग न करना होता है। मनुष्य अपनी भाषा को कठिन बना देता है। तथा आडंबरपूर्ण या चमत्कार पूर्ण शब्दों से अपनी बात को कहने में स्वयं को श्रेष्ठ समझता है। इससे वह अपनी मूल बात को कहने में असफल हो जाता है। मनुष्य को समझना चाहिए कि हर शब्द का अपना विशेष अर्थ होता है, भले ही वह समानार्थी या पर्यायवाची हो। भाषा के चक्कर में उलझकर भाव अपना अर्थ खो बैठते हैं।

20/7/24